मासिक समाचार पत्र

RNI - MPHIN/2020/83379

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

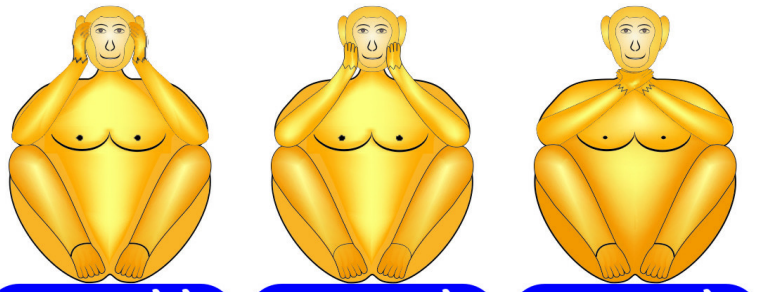

बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

प्रधान संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष -4 अंक-8 इन्दौर, 15 अक्टूबर 2023 पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपये

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

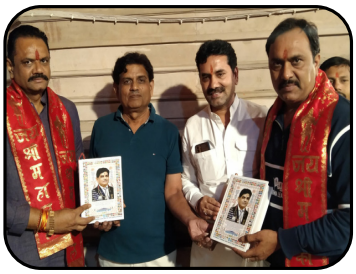

दैनिक भास्कर इंदौर 23-09-2023

तुरंत न्याय देने की पुलिस की सिंघम वाली छवि खतरनाक संकेतः जस्टिस पटेल

एजेंसी | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम पटेल ने कहा है कि कानून की उचित प्रक्रिया की चिंता किए बिना तत्काल न्याय करने की पुलिस की सिनेमाई छवि ठीक नहीं है। "सिंघम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों सी कार्रवाई हानिकारक संदेश भेजती है। जस्टिस पटेल भारतीय पुलिस फाउंडेशन के सालाना कार्यक्रम पुलिस सुधार दिवस पर बोल रहे थे। जस्टिस पटेल ने कानूनी प्रक्रिया को लेकर लोगों में बढ़ रही "अधीरता' पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, कानून लागू करने के तंत्र में सुधार तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक हम खुद में सुधार नहीं करते। पुलिस की छवि "दबंग, भ्रष्ट और गैरजिम्मेदार' के रूप में लोकलुभावन है। उन्होंने कहा, जब जनता सोचती है कि अदालतें काम नहीं कर रही हैं, तो पुलिस के कदम उठाने पर वह जश्न मनाती है। इस नजरिए वाली लोकप्रिय संस्कृति भारतीय सिनेमा में गहराई तक फैली है।

प्रधानमंत्री मोदी जी, नमस्कार, मैं सुनील जायसवाल, इन्दौर से आपको अपने मन की बात यह बताना चाहता हूँ कि भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड का जनक मैं सुनील जायसवाल हूँ, ना कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के पूर्व चेयरमैन श्रीमान नंदन नीलेकणी जी हैं, जो कि अपने आप को आधार कार्ड का जनक कहते हैं। आधार कार्ड की परिकल्पना को 15 अगस्त 2005 को मेरे द्वारा राष्ट्रपति सचिवालय एवं प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया था, जिस पर राष्ट्रपति सचिवालय ने संज्ञान ले लिया था एवं प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मिसिल में रख लिया गया था। मेरे उक्त शोधपत्र का नाम कर लो इंसान को मुट्ठी में था, जिसे भारत सरकार द्वारा विशिष्ट पहचान पत्र के नाम से लागू किया गया था। जिसे सन् 2010 में नंदन नीलेकणी जी ने आधार नाम दिया और उक्त परिकल्पना को वह अपना बताने लगे, जिसकी शिकायत मैं पिछले 18 वर्षों से भारत सरकार के समक्ष निरंतर कर रहा हूँ। जिसके साक्ष्य स्वरूप मेरे द्वारा एक आधारयण ग्रंथ का भी प्रकाशन किया गया है।
कृपया उक्त को संज्ञान में लेकर मुझे न्याय दिलाया जावे। साक्ष्य स्वरूप यू-ट्यूब पर आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के नाम से कई पत्रकार साक्षातकार उपलब्ध है।

Add Print date - 29 Sep 2022

आधार कार्ड के जनक श्री सुनील जायसवाल का जन्म दिवस 29 सितंबर आधार सेवा दिवस के रूप में मनेगा

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी मैत्री मंच संयोजक, सांई भक्त कमल कुमार साबू ने बताया है की इंदौर के युवा स्टेनलेस स्टील व्यवसाई श्री सुनील जायसवाल का 60 वां जन्म दिवस 29 सितंबर आधार सेवा दिवस के रूप में देश भर में मनाया जाकर आधार कार्ड के प्रति व्यापक जन जागरण किया जाएगा।

श्री साबू ने बताया की पद्मश्री डॉ भक्ति यादव के हाथों नंदलाल भंडारी प्रसूति गृह में जन्मे सुनील जायसवाल जन्म निवास 25 कांच्छी मोहल्ला इंदौर की प्रतिभा है? इन्हें मालव रत्न अवार्ड के अलावा आधार कार्ड के जनक के रूप में अनेको अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं ,आधार कार्ड की परि कल्पना कर उन्होंने 2005 में पूर्व राष्ट्रपति श्रीमान अब्दुल कलाम साहब को अपना "शोध पत्रÓÓ "करलो इंसान को मुट्ठी मेंÓÓ 15 अगस्त 2005 में भेजा था, सुनील जायसवाल के "शोध पत्रÓÓ पर राष्ट्रपति सचिवालय प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा संज्ञान लेते हुए उक्त शोध पत्र को मिसिल में रख लिया गया था । आधार कार्ड का शुभारंभ 29 सितंबर 2010 को ग्राम टेभंलि, शहादा, जिला नंदुरबार महाराष्ट्र में हुआ था। जो कि श्री सुनील जायसवाल जी की ससुराल है। भारत देश को समर्पित इस उत्कृष्ठ कार्य हेतु उनको गौरव प्राप्त हो इस हेतु देश भर में व्यापक जन जागरण और चेतना जागृति मुहिम चलाई गई है। 29 सितंबर 2022 को सुनील जायसवाल के 60 वें जन्म दिवस पर देश भर में मतदाता मंच, सांई प्रचार मिशन, अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी मैत्री मंच,आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सुनील जायसवाल को उनका गौरव दिलाने हेतु, ग्राम ग्राम वार्ड वार्ड में संगोष्ठि सभा एवं आधार कार्ड के मूल जनक कौन है, इस हेतु जन जागरण सम्मेलनों का आयोजन करेंगे।

सुनील जायसवाल

आधार कार्ड के जनक
मोबाइल नंबर 9827222811

॥ विंध्यवासिनी स्वाहा महेश्वरी देवी प्रसन्न रहे॥
भवानी माता मन्दिर महेश्वर

नर्मदा भक्त मण्डल
आपका स्वागत करता

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत
आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि
भारत दिव्य रत्न
छोटी बहन सीमा राय (जायसवाल) को 12 सितंबर जन्म दिवस पर हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
मध्यप्रदेश
भारत
भारत दिव्य रत्न
पूर्वी भार्गव
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत
आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि
भारत दिव्य रत्न
जन्म दिवस की हार्दिक-हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत
आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि
भारत दिव्य रत्न
श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास
श्री मथुरा - श्री वृंदावन (उ.प्र.)
दोहा : यह संदेश पढ़े जो भी किन्नर, नर नारी। सबसे जय श्री सीता राम जी की हमारी ॥
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत
आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि
भारत दिव्य रत्न
खुश खबर खुश खबर
मुंबई के 8 संस्थाओं के सहयोग से सम्मिलित टीम *जायसवाल यूथ फेडरेशन* ने जनवरी 13 और 14 ,2024 में एक बहुत ही भव्य प्रोग्राम *संपूर्ण भारत जायसवाल महोत्सव* का उदघोषना किया है जो राष्ट्रीय लेवल पर हमारे संपूर्ण भारत में रहने वाले स्वजातीय बंधुओ के लिए है जो सबके लिए ओपन निमंत्रण है । आप सब मुंबई आइए और इस महोत्सव के विभिन्न प्रोग्राम में हिस्सा लेकर सहयोग देते हुए अपनी एकता का परिचय दीजिए।🙏
इस प्रोग्राम के अंतर्गत JOB FAIR , JAISWAL TALENT HUNT, NEW START UP BUSINESS SUPPORT, भव्य युवक युवती परिचय सम्मेलन, खेलकूद प्रतियोगिता, और अन्य रंगारंग प्रोग्राम इत्यादि का समावेश होगा जो सामाजिक हित और युवाओं के लिए भी उपयोगी होगा । सारे कार्यों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। आपका भी विचार अपेक्षित है। कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए आप अपना सुझाव दे सकते हैं ।
नोट
यह सारा कार्यक्रम मुंबई के बड़े उद्योगपति श्री राजदीप जी और संदीप जी गुप्ता के सहयोग से उनके ही विशाल स्पोर्ट्स ग्राउंड "सरस्वती देवी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स" (मलाड) में आयोजित किया जाएगा ।
सौजन्य से
जायसवाल यूथ फेडरेशन टीम कंचन जायसवाल
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत
आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि
भारत दिव्य रत्न
पंजीयन क्रमांक - 39/2023
अतिथि भवन
हैहय क्षत्रिय कलचुरी सर्ववर्गीय
जायसवाल (कलाल) समाज ट्रस्ट, ओंकारेश्वर
ग्राम कोठी (ओंकारेश्वर) तहसील पुनासा, जिला खंडवा, मध्यप्रदेश
प्रमाण-पत्र
ट्रस्ट गौरवान्वित है कि
श्री सतीष श्रवण लाल जी जायसवाल (इन्दौर)
ने धर्मशाला हेतु दान देकर इस धरोहर के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है. आपको
आजीवन ट्रस्टी
के रूप में अंगीकृत करते हुए ट्रस्ट हर्ष का अनुभव करता है.
सहमति के आधार पर आपके उत्तराधिकारी के रूप में
श्री प्रमोद सतीष जी जायसवाल
का नामांकन भी स्वीकार किया जाता है.
दिनांक - 25-08-2023
राजेश रामकिशन जायसवाल
प्रबंधक ट्रस्टी
आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
प्रणाम

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हदृय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

“ करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम”

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक

इंदौर
मध्यप्रदेश
भारत

आधार
कल्चुरी समाज की उपलब्धि

भारत दिव्य रत्न

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल की ओर से आपको व आपके परिवार को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

कल 27 सितंबर 2023 को *"इंदौर संभाग पुस्तकालय संघ"* के बैनर पर आयोजित *"सदाशिव कौतुक भाषा उन्नयन सम्मान समारोह"* में आभार प्रदर्शन के पश्चात राष्ट्रकवि श्री सत्यनारायण सत्तन जी ,वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रधान संपादक बाल पत्रिका *देवपुत्र* श्री कृष्णकुमार अष्ठाना जी एवं अन्य द्वारा मणिमाला, शॉल,श्रीफल द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ रजनीश श्रीवास्तव
9407295223
इंदौर
1 अक्टूबर 2023

गर्व का पल

भारत और मध्यप्रदेश के स्वछता में नम्बर 1 शहर इंदौर के कायस्थ परिवार और हमारे मित्र *मुकेश हजेला की बेटी सुदीप्ति हजेला* 2023 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर लायी है।

घुड़सवारी की ड्रेसआर्च विधा में।

वास्तव में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि भारत को यह पदक 1982 के नई दिल्ली के एशियाड के 41 वर्षो के इंतज़ार के बाद अब मिला है।

इस सफलता में उनकी माता , पिता व परिवार का बहुत बड़ा योगदान है।

बहुत कमाल किया है बेटी सुदिप्ति ने।

सिर गर्व से ऊँचा किया है भारत का और चित्रगुप्त वंशज परिवार का।

हम सब उसका सम्मान कर रहे हैं।

आप भी उनके पिता के माध्यम से *सुदीप्ति* को बधाई संदेश दे सकते हैं।
मुकेश हजेला
+91 98260 20508

योगेन्द्र जी जायसवाल को जन्म दिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मदन परमालिया को श्रीमती विद्यादेवी कक्कड़ स्मृति सम्मान

इंदौर ● इंदौर संकेत प्रतिनिधि

अमराई वरिष्ठ नागरिक परामर्श एवं कल्याण संघ द्वारा आयोजित 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले विभुतियों के साथ-साथ सामाजिक, सैनानी एवं युवाओं को भी सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। संगठन के अध्यक्ष निरंजन सिंह जादौन ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि इन्दौर पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर थे। आपने इस अवसर पर कहा कि वरिष्ठ नागरिकों में आज आकर मुझे अपने माता-पिता की याद आती है, कि वे भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ने में बहुत हिचकिचाते हैं, क्योंकि उनका लगाव उसी जगह से रहता है।

जन्म दिवस की हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सरपंच संगठन को नागपुर के न्यायलय से ग्रामीण बच्चों के हित में मिली बड़ी कामयाबी

दैनिक अशोका मेल संवाददाता, झांसी। पंचायती राज ग्राम प्रधान/सरपंच संगठन के राष्ट्रीय सचिव कृष्ण पाल सिंह राजपूत पूर्व ग्राम प्रधान, पूर्व विधायक ने प्रेस को जारी व्यक्ति में बताया कि माह जनवरी फरवरी में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम राय ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रपाल चौकसे के साथ महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्र में सैकड़ो ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीण जनता के बीच सरपंचों से गांव की समस्याओं को जाना तथा ग्रामीण जनता एवं सरपंचों द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतर गांवों के सरकारी प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल में अध्यापक ना के बराबर हैं किसी-किसी स्कूल में एक-एक अध्यापक ही है जिसकी कमी से गरीब बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं और उनका भविष्य अंधकार मय हो रहा है इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने शिक्षा अधिकारियों से बातचीत की तो उनके द्वारा बताया गया कि खनिज विभाग से ग्रामीण शिक्षा परवेश के लिए शिक्षा निधि मद को जो धनराशि दी जाती है उसको प्रशासन द्वारा रिलीज नहीं किया जा रहा है जिससे धन के आभाव में मानदेय पर शिक्षकों की भर्ती नहीं हो पा रही है इस गंभीर समस्या को लेकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम राय के नेतृत्व में मंथन किया गया तथा इस समस्या को लेकर संगठन द्वारा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रपाल चौकसे के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय नागपुर महाराष्ट्र में रिट याचिका दायर की गई जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई करते हुए अभी हाल ही में पारित आदेश के सापेक्ष में 10 दिन के अंदर चार करोड़ 14 लाख रुपए की धनराशि जिला परिषद को रिलीज करने का आदेश खनिज विभाग को दिया गया है उक्त हाई कोर्ट के आदेश से अब महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी रुकी हुई धनराशि भी रिलीज हो जाएगी।

30 लाख से अधिक फालोअर

टिक टाक पर वीडियो बनाकर मशहूर हुई इंदौर की पूरबी भार्गव इन दिनों म्यूजिक एल्बम में काम कर रही हैं। इन्हें पहचान टिक टाक से मिली थी लेकिन टिक टाक बंद होने के बाद इन्होंने हार नहीं मानी और इंस्टाग्राम व यूट्यूब के जरिए अपने नाम को और रोशन किया। इंटरनेट मीडिया पर 30 लाख से अधिक फालोअर्स हैं। वहीं बड़े-बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ म्यूजिक एल्बम में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि मुझे मेरे माता-पिता ने एक्टिंग के लिए बहुत मोटिवेट किया। मेरी मां अपने कालेज टाइम में माडलिंग करती थी और वो चाहती थी कि मैं भी अपनी एक्टिंग की बदौलत बड़ा मुकाम हासिल करूं। मुझे कई साउथ इंडियन फिल्में आफर हुई हैं और टीवी चैनल्स से भी काम आया है। लेकिन अभी मैं प्रोमोशनल और म्यूजिक वीडियोज पर ही ध्यान दे रही हूं।

* 🌹 कल्चुरी राजनीतिक भागीदारी यात्रा 🌹 *

आज नागपुर में जायसवाल समाज के सबसे बड़े समाजसेवी, प्रसिद्ध उद्योगपति, नीतीन गडकरी के खास, कल्चुरी वंश के हितों के लिए समर्पित भाई दीपक जायसवाल जी से मिलकर "कलवार कलाल कलार समाज की राजनीतिक भागीदारी कैसे हो, पर विस्तृत चर्चा हुई।

अब तक "राजनीतिक भागीदारी कैसे हो" के संदर्भ में हमने भाई अशोक जायसवाल जी (SMT) इंदौर , राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा, बहन अर्चना जायसवाल जी इंदौर (उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस), राष्ट्रीय संयोजक भारतीय कल्चुरी एकता महासंघ, बाबूजी बालेश्वर दयाल जायसवाल जी नागदा संरक्षक, अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा, भाई लालचंद गुप्ता जी मुम्बई, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय कल्चुरी जायसवाल समवर्गिय महासभा, बाबूजी बसंत लाल साव जी नागपुर राष्ट्रीय संरक्षक, भारतीय कल्चुरी जायसवाल समवर्गिय महासभा, भाई दीपक जायसवाल जी नागपुर संयोजक भारतीय कल्चुरी एकता महासंघ, भाई संजय जायसवाल जी (रायपुर) राष्ट्रीय संरक्षक, भारतीय कल्चुरी जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा (फोन पर), भाई मनोज जायसवाल जी बनारस , राष्ट्रीय अध्यक्ष जायसवाल क्लब, भाई विंग कमांडर विनोद राय जी, भाई शंकर लाल राय जी भोपाल से मिलकर विचार विमर्श किया।

आप सभी ने एक स्वर में सजातीयों को अधिकतम संख्या में विधानसभाओं संसद में कैसे भेजें के लिए एक मिटिंग की बात कही।

जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है और अभी पितृपक्ष चल रहा है फिर नवरात्र होगा, दशहरा (विजयादशमी) के बाद ही मिटिंग हो सकती है। दिन तिथि और समय के लिए विचार विमर्श कर मिटिंग का दिन तय करेंगे।

क्योंकि हमारा मानना है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी हमारी संख्या के अनुपात में भागीदारी नही दे रही तो यैसी परिस्थिति में समाज सजातीयों को चुनाव लड़ने में मदद करें, समर्थन करें और जीताकर विधानसभा, संसद भेजें।

आप सभी से अनुरोध किया जाता है कि सजातीय भाई बहन जहां से चुनाव में लड़ रहे हों, राजनीतिक पार्टी से हों या निर्दलीय हो, उन्हें वोट देने, समर्थन करने और आर्थिक मदद करें। जिससे हमारी संख्या सत्ता में बढ़े।

समाज हित में फैसला कराने की शक्ति बढ़े।

इसी अनुरोध के साथ अब तक के आप सभी द्वारा दिये गये स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हैं। *सजातीय हित समर्थन देते रहें।*

साभार
* 🌹 🙏जय सहस्त्रार्जुन 🙏 🌹 *
कृष्ण कांत जायसवाल
मुम्बई

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि...

“ करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम ”

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित

9827222811

https://youtu.be/xurY3eQlrSI https://youtu.be/0XQf02Ub6fk

E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

http://www.aadhaarcardkejanaksuniljaiswalindore.com

सुविचार

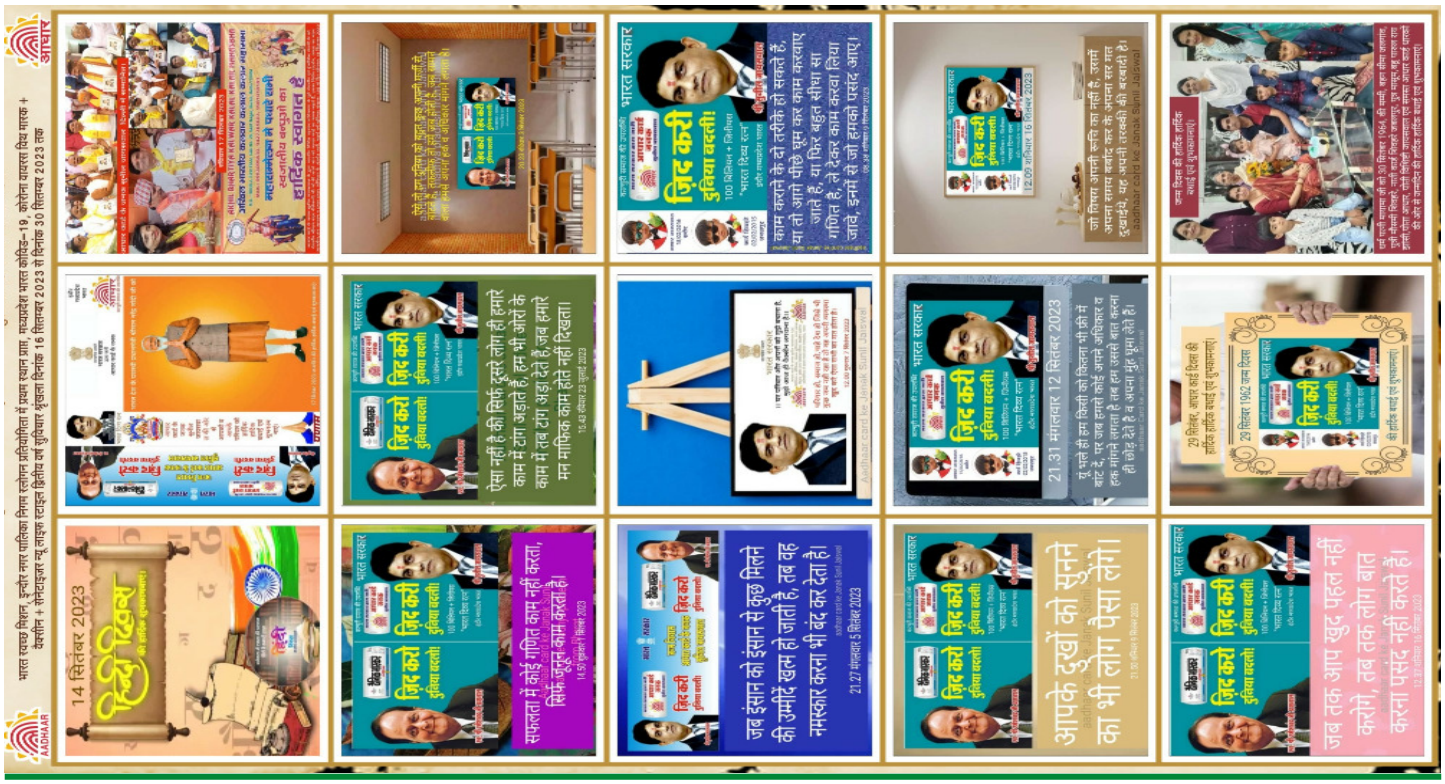

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

100 बिलियन+ जिनियस लेखक–सुविचारक

I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.

॥ घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है ॥

अगर आपका भी है ऐसा पीवीसी आधार कार्ड तो आज ही बदलें, वरना हो सकती है दिक्कत

नईदिल्ली। जब भी किसी ऐसे दस्तावेज की बात होती है जिसकी जरूरत लगभग हर एक काम के लिए पड़ती है, तो इसमें आधार कार्ड का नाम सबसे पहले नजर आता है। दरअसल, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा आधार कार्ड जारी किया जाता है। इस आधार में कार्डधारक की डेमोग्राफिक और बायोमेट्रिक जानकारी होती है। ऐसे में बैंक में खाता खुलवाने से लेकर सिम कार्ड लेने जैसे जरूरी कामों के अलावा सरकारी योजनाओं को लाभ लेने के लिए भी इसकी जरूरत पड़ती है। वहीं, दूसरी तरफ पीवीसी आधार कार्ड आने के बाद कई लोगों ने ये भी बनवाएं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ पीवीसी आधार कार्ड ऐसे भी हैं, जो अमान्य हैं? शायद नहीं, तो चलिए जानते हैं आप ये कैसे जान सकते हैं कि आपका पीवीसी आधार मान्य है या अमान्य।

ये पीवीसी कार्ड अमान्य

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति ने साइबर कैफे या अन्य जगहों से पीवीसी आधार कार्ड बनवाया है, तो ये अमान्य है क्योंकि ऐसे पीवीसी आधार कार्ड में सुरक्षा फीचर की कमी होती है।

इसलिए अगर आपके पास भी ऐसा आधार कार्ड है, तो इसकी जगह आप यूआईडीएआई द्वारा जारी किए गए पीवीसी आधार कार्ड को बनवा सकते हैं। इसे बनवाना बेहद आसान है और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन है, जहां पर सिर्फ 50 रुपये में आपका काम हो जाता है। यूआईडीएआई द्वारा जारी किए जा रहे पीवीसी आधार कार्ड बनवाने का तरीका ये है-

स्टेप 1

यूआईडीएआई द्वारा जारी किए जा रहे पीवीसी आधार कार्ड बनवाने के लिए आपको सबसे पहले इसकी आधिकारिक वेबसाइट uidai.gov.in पर जाना है पोर्टल पर जाने के बाद आपको माय आधार के सेक्शन में ऑर्डर आधार पीवीसी कार्ड वाले विकल्प पर क्लिक करना है

स्टेप 2

इसके बाद 12 अंकों का आधार नंबर और कैप्चा कोड भरें फिर सेंड ओटीपी वाले बटन पर क्लिक करें

स्टेप 3

अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा,

जिसे दर्ज करके सबमिट पर क्लिक कर दें आखिर में प्रिव्यू देखकर 50 रुपये की ऑनलाइन फीस भर दें,

फिर कुछ दिनों के बाद आपके पते पर ये कार्ड आ जाता है।

आधार कार्ड से कितने मोबाइल नंबर है लिंक्ड, आसान स्टेप की मदद से करें चेक

नई दिल्ली। आधार कार्ड को मोबाइल नंबर से लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है। आज आधार कार्ड का इस्तेमाल मोबाइल सिम से लेकर सरकारी कामों के लिए भी होता है। यहां तक की रेंट लेने पर भी हमें अपना आधार कार्ड देना होता है। हाल ही में कई ऐसे मामले देखने को मिले हैं जिसमें किसी व्यक्ति का आधार कार्ड कई मोबाइल नंबर से लिंक्ड पाया गया है। मोबाइल नंबर से लिंक होने के बाद कई फ्रॉड के मामले भी सामने आते हैं।

इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए दूरसंचार विभाग ने एक नया पोर्टल शुरू किया है। इस पोर्टल का नाम टेलीकॉम एनालिटिक्स फॉर फ्रॉड मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन है। इस पोर्टल की मदद से आप आसानी से जान सकते हैं कि आपका आधार कार्ड कितने मोबाइल नंबर से लिंक्ड है।

कैसे चेक करें आधार कार्ड से कितना मोबाइल नंबर लिंक्ड है

आपको TAFCOP (https://tafcop.dgtelecom.gov.in/) के पोर्टल पर जाना है।

इसके बाद आपको अपना मोबाइल नंबर दर्ज करना है। अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। ओटीपी को दर्ज करें। इसके बाद आपके सामने एक नया विंडो ओपन होगा। आप यहां चेक कर सकते हैं कि आपके कितने मोबाइल नंबर आधार कार्ड से लिंक्ड है। अगर आपको किसी नंबर को लेकर कोई संदेह है तो आप उसे ब्लॉक कर सकते हैं। एक आधार कार्ड पर कितना मोबाइल नंबर लिंक हो सकता है सरकार द्वारा जारी नियमों के अनुसार एक आधार कार्ड पर 9 मोबाइल नंबर लिंक किये जा सकते हैं।अगर कोई आधार यूजर्स का आधार कार्ड 9 मोबाइल नंबर से ज्यादा लिंक्ड होता है तो उनके पास एक मैसेज आता है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में सबसे बड़ी सेंध

81.5 करोड़ लोगों का आधार कार्ड डाटा लीक, डार्क वेब पर हो रही बिक्री

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के डाटाबेस में सबसे बड़ी सेंध की खबर है। एक अमेरिकी साइबर सिक्योरिटी फर्म ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत के करीब 81.5 करोड़ लोगों का आधार कार्ड डाटा लीक हुआ है जिसकी बिक्री डार्क वेब पर हो रही है। इस डाटा लीक में लोगों के नाम, फोन नंबर, एड्रेस, आधार कार्ड नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आधार कार्ड डाटा की बिक्री डार्क वेब पर 80 हजार डॉलर यानी करीब 66,60,264 रुपये में हो रही है। इस कीमत में आपको भारतीय लोगों के पासपोर्ट का डाटा भी मिल जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस डाटा लीक के जांच की जिम्मेदारी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन को दी गई है।

एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यह डाटा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की साइट से नहीं, बल्कि इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डाटाबेस से हुआ है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के पास यह डाटा कोविड-19 के वैक्सिनेशन के दौरान पहुंचा था।

आधार कार्ड से लिंक नहीं है मोबाइल नंबर तो क्या हुआ, ये काम आराम से हो सकते हैं

नईदिल्ली। आधार कार्ड के बारे में तो आप जानते ही होंगे। आज आधार कार्ड देश के सभी नागरिकों के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट है और पहचान पत्र भी है। आमतौर पर आधार कार्ड से मोबाइल नंबर लिंक होना अनिवार्य है लेकिन यदि आपका फोन नंबर आधार से लिंक नहीं है तो भी आप आधार से जुड़े कई सारे काम कर सकते हैं। इसकी जानकारी बहुत ही कम लोगों को है। आइए जानते हैं...

यदि आपका मोबाइल नंबर लिंक नहीं है तो भी आप आधार पीवीसी कार्ड के ऑर्डर को ट्रैक कर सकते हैं, हालांकि पीवीसी कार्ड ऑर्डर करने के लिए मोबाइल नंबर का आधार से लिंक होना जरूरी है।

बिना मोबाइल नंबर आप आधार का इनरोलमेंट चेक कर सकते हैं और अपने आधार को लेकर कोई अपडेट भी चेक कर सकते हैं।

आधार केंद्र की जानकारी हासिल करने के लिए मोबाइल नंबर का आधार कार्ड से लिंक होना जरूरी नहीं है। आप UIDAI की वेबसाइट से इसकी जानकारी ले सकते हैं।

आधार कार्ड में किसी तरह के अपडेट या सुधार के लिए आप घर बैठे अप्वाइंटमेंट ले सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर का आधार कार्ड से लिंक होना जरूरी नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर,-452006

से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)